# लटिलि बंटगि पक्षी

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में पक्षी प्रेमियों ने **माउंट आबू में एक छोटा-सा पक्षी** देखा, जो राजस्थान में इसकी पहली उपस्थिति थी। //

## मुख्य बिंदु

- **लटिलि बंटगि का विवरण और निवास स्थान:**
- **के बारे में:**
  - लटिलि बंटगि एक **छोटा गौरैया पक्षी है** जो बंटगि और गौरैया परिवार से संबंधित है।
  - इसका प्रजनन क्षेत्र **सुदूर पूर्वोत्तर यूरोप और उत्तरी एशिया के** टैगा तक विस्तारित है।
  - यह पक्षी **शीतकाल के दौरान दक्षिणी चीन और पूर्वोत्तर भारत की ओर प्रवास करता है** तथा आमतौर पर कृषि क्षेत्रों में रहता है तथा अनाज खाता है।
- **विशेषताएँ:**
  - यह एक **छोटा सा ध्वज है,** जिसकी लंबाई केवल 12-14 सेमी (4.7-5.5 इंच) होती है।
  - इसका **निचला भाग सफेद होता है** तथा **छाती और पार्श्व भाग** पर **काली धारियाँ होती हैं।**
  - अपने भूरे चेहरे और सफेद माला धारी के साथ, यह एक छोटी मादा रीड बंटगि जैसा दिखता है, लेकिन इसमें काले मुकुट की धारियां, एक सफेद आंख की अंगूठी और इसके भूरे गालों के पीछे एक महीन काले रंग की सीमा होती है।
  - **IUCN रेड लिस्ट:** सबसे कम चिंता
- **जलवायु परिवर्तन की संभावित भूमिका:**
  - विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण यह पक्षी राजस्थान की ओर आकर्षित हुआ है, क्योंकि यह अत्यधिक ठंडी परिस्थितियों से बचता है।
- **उत्तरी भारत में दृश्य:**
  - **हाल ही में गुरुग्राम, चंडीगढ़ और उत्तरी पंजाब जैसे क्षेत्रों में** छोटे-छोटे बंटिंग्स देखे गए हैं।
  - ये पक्षी आमतौर पर उत्तरी भारत, दक्षिणी चीन और उत्तरी दक्षिण पूर्व एशिया के उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में देखे जाते हैं।
- **संरक्षण के लिये महत्त्व:**
  - यह दृश्य इस बात पर ज़ोर देता है कि ऐसी प्रवासी प्रजातियों के लिये **वन क्षेत्रों और आर्द्रभूमियों** को संरक्षित करना कितना महत्त्वपूर्ण है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/little-bunting-bird